

DPN 6709

करुणामय स्तोत्र व आर्यतारा स्तोत्र /

Title : KARUNĀMAYASTOTRA AND ĀRYATĀRĀSTOTRA

Run. No. 7435

Cat. No.

Micro. No.

Subject STOTRA

Religion : Hindu / Buddhist

Language : ☒ Skt. / ☒ New. / ☒ Nep. / ☒ Skt.- New. / ☒ Maith.- New. / ☒ New.- Nep. /

Size in cms. 19.5 X 7

Folios 2

Lines (in a page) 5

¹ ☒ Compl. / ² ☒ Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : ☒ New. / ☒ Dev. / ☒ Bhu. / ☒ Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / ☒ paper / ☒ thasaphu / ☒ Muel made

Condition : ☒ fine / ☒ damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

1. इति श्रीभद्रकल्पावदाने पार्वतीकृतं करुणामयस्तोत्रं समाप्तं ।
2. इति श्री आर्यतारा नमस्तोत्रैक विंशत्शक्तिस्तोत्र समाप्तं ।

ॐ नमो लोकांथाय ॥ नमो हं भगवद्वासेः वलो कीर्तस्वरयने ॥
महेसाय नगनः भलोः प्राणदाय महाहसने ॥ १ ॥ पृथीवीवलनेः त्रायः
शुभः पद्मः धराय च ॥ पद्म श्रीपद्मोत्तमायः शुचेतः नरकराय च ॥ २ ॥
धर्मधराय नाथायः दशभुजो ध्वराय च ॥ शुभीवीर्तिः सहायकः
शंखस्थितसर्वदा ॥ ३ ॥ ईती श्रीः भद्रकल्या वदानेः पार्वती कूर्मः श्री

कह नाम स लो नं सा ॥ ११४॥ ३ नमो भगवते पुष्प पुरा जाया त था ग
गाया ह ते लये क सं व था या त था ॥ ३ पुष्पे १ महा पुष्पे २ पुष्पे ३ पुष्पे ४ पुष्पे
~~तथा ॥ ११५॥~~ १॥ सं भवे पुष्पा द्वे पुष्पा ॥ पुष्पा व की री ला हा
३ पुष्पा ल म य म नु पा ल य व ज ला वा ने न प्र ती ल दृ षे मे भ व सु ते यो मे भ व
त पो यो मे भ व ३ न र ल मे भ व ल र्वा नी द्वी ने प्र च द ह सु र्व क र्म ल य मे वी
न श्री य क र ह ह ह ह ह भ ग वा न र ल र्वा त था ग न व ज मा मे दू च व जी भ व
त म य ला ल म य ३ न

॥ १५॥ नमः सुवर्णाकाश विष्णु केशस्थित ॥ गात्रादिभूत
रूपाय श्रुत विषयानिम् ॥ १६॥ नमः सुवर्गाध्यात
सुवर्गाध्यात विष्णु ॥ आवर्त मुदिता लो क लिङ्ग स्वप्न ना भानि
म् ॥ २०॥ नमः चन्द्रार्क सम्पूर्ण नयन युक्तिः सुव ॥ गात्रादिभू
क गुणा विषय म ह य ना निम् ॥ २१॥ रंगिणी आर्य मा जा

नमस्तार्थकविंशतिस्तुतसमाप्त ॥ ८७ ॥